डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 151 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 17 मार्च 2025 | मूल्य 2 रुपया

दो कारों में भिड़ंत, दो महिलाएं घायल

मंदसौर, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। दो कारों में भिड़ंत होने से दो महिलाएं घायल हो गई। मामले में कार चालक पर मामला दर्ज किया गया है। मल्हारगढ़ पुलिस के अनुसार मंदसौर-नीमच हाइवे स्थित बस स्टैंड का मामला है। ग्राम लाखिया जिला रतलाम निवासी शांतिलाल डामर ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि कार क्रमांक एमपी13 जेडजी 8969 के ड्राइवर ने तेज व लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाकर फरियादी की कार को टक्कर मार दी। इससे कार में बैठी फरियादी की पत्नी व भाभी को चोट आई। पुलिस ने वाहन रजिस्ट्रेशन के आधार पर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

कमीशन का खेल, पेड़ और जेब के साथ मासूम कंधों को कर रहा कमजोर

आदेश की औपचारिकता, प्रशासन स्कूल वालों की मनमानी के आगे नतमस्तक

गुरु एक्सप्रेस लगातार

मंदसौर, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। किताबों में स्कूल संचालकों के कमीशन के खेल में अभिभावक की जेब खाली हो रही है। हर साल प्रकाशक बदलने और पुराना कोर्स स्कूल में नहीं चलाने से कागज की खपत बढ़ रही है। जिससे पेड़ो का नुकसान हो रहा है। कमीशन के इस खेल में यह दो फैक्टर ही नहीं, बल्कि तीसरा फैक्टर भी है। जो मासूम बच्चों के कंधों को प्रभावित कर रहा है। जी हा... मोटे कमीशन के चक्कर में स्कूल संचालक एक ही सब्जेक्ट की दो या इससे अधिक महंगी और मोटी किताबें मंगवाते हैं। जिससे स्कूली बेग का वजन बढ़ रहा है और मासूम के कंधे कमजोर हो रहे हैं। ऐसा नहीं है कि सरकार ने इसको लेकर नियम नहीं बनाए है। केंद्र के साथ राज्य सरकार हर साल आदेश जारी करती है। लेकिन, स्थानीय प्रशासन मानो स्कूल संचालकों के रसूख के आगे नतमस्तक हो गया है। जबकि, जबलपुर और रतलाम की बात करें तो दोनों ही जगह इस मामले को लेकर कलेक्टरों ने सख्ती दिखाई है।

मंदसौर में शिक्षा विभाग ने स्कूली बच्चों के कंधों से बस्ते का बोझ कम करने के लिए फिर फरमान जारी किया। लेकिन, यह फरमान सिर्फ औपचारिकता ही बनकर रह जाते हैं। आदेश कई बार जारी किए गए। इसके अलावा केंद्र की इस संबंध में गाइड लाईन भी है। लेकिन, कान्हा के बस्ते का वजन बलराम से ज्यादा है। मतलब छोटे बच्चों के कंधों पर दसवीं-बारहवीं या कॉलेज के विद्यार्थियों से ज्यादा बोझ डाला जा रहा है। पहली और दूसरी कक्षा में ही बस्ते का वजन इतना बढ़ जाता है कि बच्चों की पीठ झुक जाती है। खास बात यह है कि सरकारी स्कूलों की तुलना में निजी स्कूलों के बस्तों का वजन अधिक है।

दरअसल शिक्षा के निजीकरण के इस दौर में बस्ते का बोझ हल्का करने की हर कवायद विफल हो रही है। यू केजी से लेकर हायर सेकंडरी तक की कक्षाओं के बच्चे भारी बस्ता उठाने को मजबूर है। छोटे-छोटे बच्चों के बड़े-बड़े भारी बस्तों ने हर किसी को सोचने पर मजबूर कर दिया है। बच्चों की इस तकलीफ को पालक भी महसूस करते हैं। पालकों की माने तो हर साल बच्चों के बैग का वजन एक से दो किलो तक बढ़ रहा है। हर साल बस्ते के वजन को कम करने के लिए शिक्षा विभाग द्वारा निर्देश जारी किया जाता है। पर कुछ ही दिनों में यह अभियान ठप पड़ जाता है। शिक्षा विभाग के कुछ लोगों की बात माने तो बस्ते के बढ़ते वजन की जांच के लिए शिक्षा विभाग द्वारा टीम का गठन किया जाता है। लेकिन, यह सिर्फ आदेश के बाद निभाने वाली औपचारिकता भर है।

हर साल बढ़ता ही जा रहा है बोझ...

वर्तमान में स्कूल बैग का बढ़ता बोझ निरंतर चिंता का विषय बना हुआ है। भारी बैग की वजह से बच्चों के कंधों पर जरूरत से अधिक दबाव पड़ता है। इससे रीढ की हड्डी पर भी दबाव बढ़ता है। पालकों के अनुसार यू केजी के बच्चे के बैग का वजन 3.5 किलो तक होता है। जबकि, दूसरी क्लास तक पहुंचते-पहुंचते यह बढ़कर 05 किलो हो जाता है। पांचवीं में स्कूल बैग का वजन 07- 08 किलो तक हो जाता है।

सरकारी स्कूल का बस्ता हल्का...

सरकारी स्कूल वाले बच्चों के बस्ते निजी स्कूल वालों के बस्ते से हल्के हैं। सरकारी स्कूलों में प्रारंभिक कक्षाओं में भाषा, गणित के अतिरिक्त एक या दो पुस्तकें हैं। लेकिन, निजी स्कूलों के बस्तों का भार बढ़ता ही जा रहा है। बच्चों की शिक्षण सामग्री में वृद्धि के पीछे व्यावसायिक दृष्टिकोण ही नजर आता है।

केंद्र सरकार के मानक-बस्ते का मौजूदा वजन...

कक्षा पहली से दूसरी 2 किलो	-	यू केजी 3.50 किलो
कक्षा तीसरी से चौथी 3 किलो	-	पहली कक्षा 4 किलो
कक्षा 5वीं से 8वीं 4 किलो	-	दूसरी कक्षा 5 किलो
कक्षा 9वीं से 10वीं 6 किलो	-	पांचवी कक्षा 8 किलो

क्या कहते हैं विशेषज्ञ...
कंधे एवं हड्डी के जोड़ पर पड़ता है असर...

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ केएल राठौर का कहना है कि यदि बच्चे के स्कूल बैग का वजन बच्चे के वजन से 10 प्रतिशत से अधिक होता है तो काइफोसिस होने की आशंका बढ़ जाती है। इससे सांस लेने की क्षमता प्रभावित होती है। भारी बैग के कंधे पर टांगने वाली पट्टी अगर पतली है तो कंधे की नसों पर असर पड़ता है। कंधे में हर समय दर्द बना रहता है। हड्डी के जोड़ो पर भी असर पड़ता है।

पिछले साल भी जारी हुए थे मप्र शिक्षा विभाग के आदेश...

कक्षा	बस्ते का वजन
पहली	1.6 से 2.2 किग्रा
दूसरी	1.6 से 2.2 किग्रा
तीसरी	1.7 से 2.5 किग्रा
चौथी	1.7 से 2.5 किग्रा
पांचवीं	1.7 से 2.5 किग्रा
छठवीं	2.0 से 3.0 किग्रा
सातवीं	2.0 से 3.0 किग्रा
आठवीं	2.5 से 4.0 किग्रा
नौवीं	2.5 से 4.5 किग्रा
दसवीं	2.5 से 4.5 किग्रा

लेकिन, कहीं भी विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई!

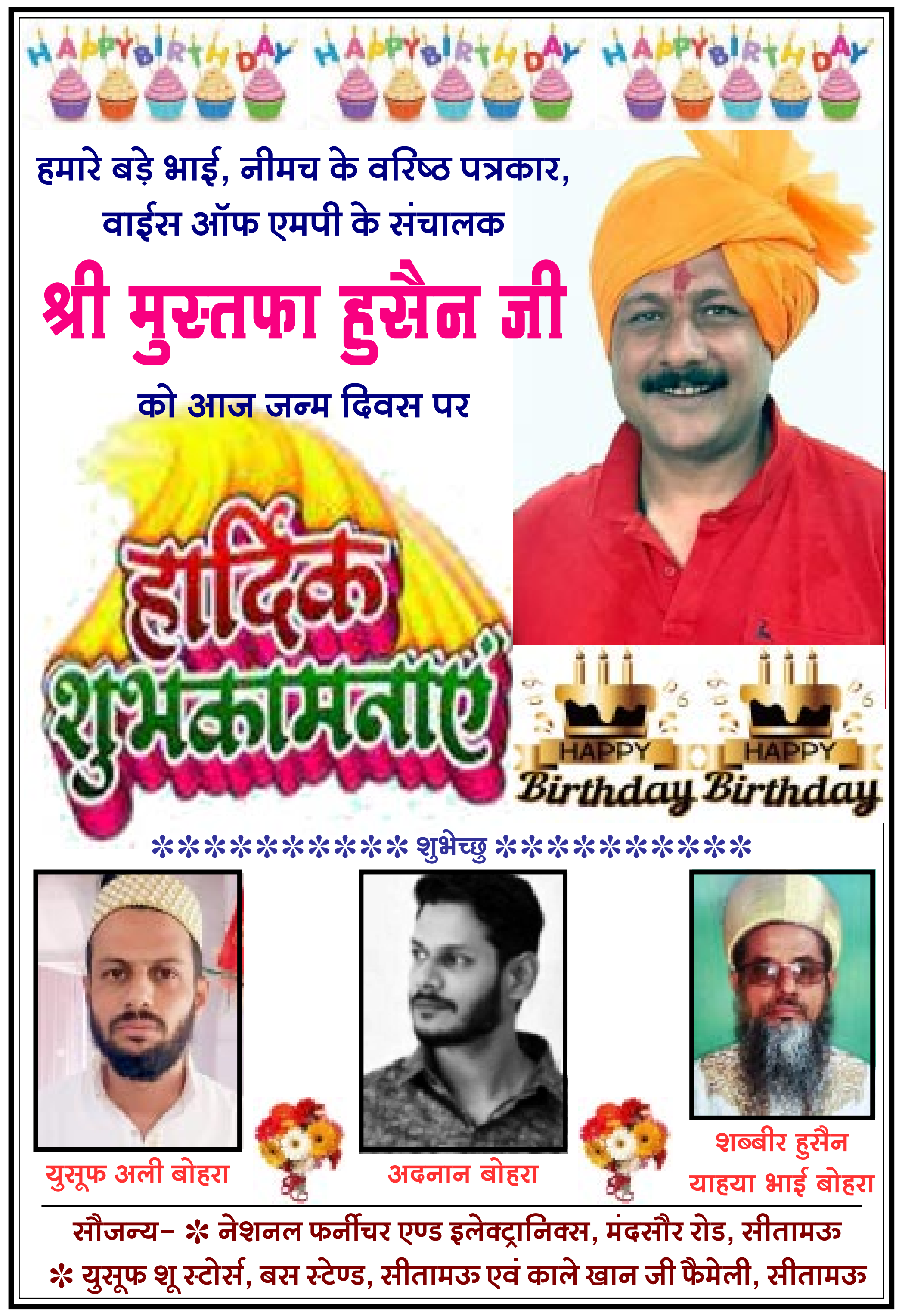

विचार-मंथन

बलूचिस्तान के मुद्दे पर मुश्किल में पाकिस्तान

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी यानी बीएलए की ताजा कार्रवाई से साफ हो गया है कि पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ गई हैं। हालांकि बीएलए और दूसरे बलूच विद्रोहियों से पाकिस्तानी हुकूमत को लंबे समय से चुनौती मिलती रही है, मगर इधर के कुछ वर्षों में इन चरमपंथी गुटों ने जिस तरह अपनी रणनीतियां बदली हैं, उससे वहां की सेना और पुलिस के लिए नाकों चने चबाने जैसी स्थिति हो गई है। मंगलवार को बीएलए विद्रोहियों ने एक रेलगाड़ी पर हमला कर दिया। उसमें चार सौ लोगों के सवार थे। पाकिस्तानी सेना का दावा है कि उसने उनमें से तीन सौ लोगों को छुड़ा लिया है और सभी बागियों को मार गिराया है। सेना के प्रवक्ता ने बताया कि विद्रोही कुछ मुसाफिरों को गाड़ी से उतार कर जंगलों की तरफ ले गए थे। इस संघर्ष में करीब तीस सैनिकों के मारे जाने की खबरें सामने आई है। पर इस घटना को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिल पा रही है। बताया जा रहा है कि कुछ आत्मघाती बलूच लड़ाके गाड़ी के भीतर मुसाफिरों के बीच मौजूद थे, जिससे उन्हें मुक्त कराने के अभियान में मुश्किलें आईं। इस घटना से कुछ संकेत साफ है कि बीएलए ने न केवल हमले की अपनी रणनीति बदली है, बल्कि अपने सिद्धांतों में भी बदलाव किया है। बीएलए हमेशा से आत्मघाती हमले के खिलाफ रहा है, पर रेलगाड़ी पर हमले में अगर आत्मघाती दस्ते उतारे हैं, तो साफ है कि उसने अपनी नीतियों में बदलाव कर लिया है। दरअसल, बलूचिस्तान प्रांत के लोग लंबे समय से अपनी आजादी की मांग के साथ पाकिस्तानी हुकूमत से संघर्ष करते रहे हैं। पाकिस्तान सरकार उन्हें बंदूक के बल पर दबाने का प्रयास करती रही है। इसका नतीजा यह हुआ कि वहां चरमपंथी संगठन सक्रिय होते गए और समय-समय पर ताकत बटोर कर चुनौती देते रहे हैं। बलूचिस्तान प्रांत में प्राकृतिक संसाधन बहुत है, और रणनीतिक रूप से भी उसका महत्व है, इसीलिए चीन ने वहां अपनी परियोजनाएं शुरू कीं। मगर ग्वादर बंदरगाह पर चीन की पैठ बनी, तभी से बलूच विद्रोही उसका विरोध करते रहे हैं। उनके चरमपंथी हमलों में कई चीनी अधिकारी और कर्मचारी भी मारे जा चुके हैं। मगर पाकिस्तान सरकार सदा की तरह इन विद्रोहियों को बंदूक के बल पर दबाने की कोशिश करती रही है। उसे इस मामले में कामयाबी भी इसलिए मिल जाती रही है कि बलूचिस्तान में सक्रिय चरमपंथी संगठनों के बीच हितों का टकराव देखा जाता रहा है। मगर अब वहां सक्रिय सभी विद्रोही संगठनों ने हाथ मिला लिया है। पिछले महीने के आखिर में वहां के पांच प्रमुख चरमपंथी संगठनों की बैठक हुई थी, जिसमें फैसला किया गया कि चूंकि सबका मकसद एक है- बलूचिस्तान की आजादी, इसलिए सब साथ मिल कर लड़ेंगे। उन्होंने एलान कर दिया कि पाकिस्तानी हुकूमत और चीन का वे हर तरह से मुकाबला करने को तैयार हैं। जाहिर है, इससे विद्रोहियों की ताकत बढ़ गई है। पिछले कुछ समय में हुए हमलों की प्रकृति बताती है कि वे काफी सोच-समझ कर कदम बढ़ाने लगे हैं और उनकी कार्रवाई का बड़ा असर देखा जा रहा है। पाकिस्तान इन दिनों खुद आर्थिक तंगी का शिकार है, उसकी सेना इन विद्रोही गुटों का कहां तक और कितनी देर तक मुकाबला कर पाएगी, कहना मुश्किल है। वहां की सरकार इस बात को लेकर भी चिंतित है कि विद्रोही गुटों को अफगानिस्तान से शह मिल रही है।

अमेरिका ने वैश्विक आर्थिक नीतियों पर लिया यू टर्न

प्रहाद सबनानी

सबसे पहिले तो वित्तीय वर्ष 2024-25 के प्रथम एवं द्वितीय तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर में आई गिरावट एक मुख्य कारण रही इसके बाद सितम्बर 2024 तिमाही में भारतीय कम्पनियों की लाभप्रदता में आई कमी को दूसरे कारण के रूप में देखा गया। परंतु अब तो अमेरिका में नव निर्वाचित राष्ट्रपति ट्रम्प के प्रशासन द्वारा टैरिफ के संदर्भ में की जा रही नित नयी घोषणाओं को भी एक महत्वपूर्ण कारण माना जा रहा है। ट्रम्प प्रशासन ने चीन, कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में आयात किए जाने वाले विभिन्न उत्पादों पर टैरिफ की दर को बढ़ा दिया गया है और अब यह घोषणा भी की जा रही है कि भारत सहित विभिन्न देशों द्वारा अमेरिकी उत्पादों के आयात पर लगाए जाने वाले टैरिफ की तरह ही अमेरिका भी इन समस्त देशों से अमेरिका में होने वाले विभिन्न उत्पादों के आयात पर 2 अप्रेल 2025 से टैरिफ लगाएगा। ट्रम्प प्रशासन का तो यहां तक कहना है कि भारत अपने देश में होने वाले कुछ उत्पादों के आयात पर तो 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाता है अतः अब अमेरिका भी भारत से अमेरिका में होने वाले कुछ उत्पादों के आयात पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाएगा। इससे बहुत सम्भव है कि भारत के फार्मा क्षेत्र, ऑटोमोबाइल क्षेत्र, इंजीनीयरिंग क्षेत्र एवं सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों पर विपरीत प्रभाव पड़े। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का भारत के शेयर बाजार में किये गए निवेश का पोर्टफोलियो लगभग 20 प्रतिशत गिर गया है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को यह आभास हो रहा है कि इसमें अभी और गिरावट आ सकती है अतः विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश अभी भी लगातार निकाल रहे हैं। दूसरे, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को भारतीय बाजार तुलनात्मक रूप से महंगे लग रहे हैं क्योंकि चीन एवं कुछ अन्य देशों की कम्पनियों के शेयर इन देशों के शेयर बाजार में सस्ते में उपलब्ध हैं। अमेरिका में बांड यील्ड के उच्च स्तर (4.75 प्रतिशत से भी ऊपर) जाने के चलते भी अमेरिकी पोर्टफोलियो निवेशक भारत से अपना निवेश निकाल कर चीन, अमेरिका एवं अन्य इमर्जिंग बाजारों में निवेश कर रहे हैं। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर के लगातार मजबूत होते जाने से भारतीय रुपए पर लगातार दबाव बना हुआ है एवं भारतीय रुपए का अवमूल्यन हुआ है। हाल ही के समय में एक अमेरिकी डॉलर का मूल्य भारत के लगभग 88 रुपए के स्तर पर पहुंच गया है, इससे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को भारत के शेयर बाजार में होने वाली आय भी कम हुई है एवं उनकी लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। सितम्बर 2024 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का भारतीय कम्पनियों में किए गए निवेश का पोर्टफोलियो 40,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का था जो आज गिरकर 30,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रह गया है। इसमें 25 प्रतिशत की भारी भरकम गिरावट दर्ज की गई है। 2 अप्रेल 2025 से ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाए जाने की घोषणा के चलते अभी भी भारतीय पूंजी बाजार पर लगातार दबाव बना रह सकता है। हालांकि, इसी समय में भारतीय संस्थागत निवेशक एवं खुदरा (रीटेल) निवेशक भारतीय कम्पनियों के शेयरों में भारी मात्रा में निवेश कर रहे हैं इसीलिए भारतीय शेयर बाजार बहुत अधिक नहीं गिरा है। परंतु फिर भी, भारतीय शेयर बाजार में माहौल तो बिगड़ ही रहा है। अभी तक तो विकसित देशों द्वारा वैश्वीकरण की नीतियों के आधार पर अपनी आर्थिक नीतियां बनाई जा रही थीं एवं विश्व के अन्य विकासशील देशों पर यह दबाव बनाया जा रहा था कि वे भी इन नीतियों का अनुपालन करते हुए विश्व के विकसित देशों के लिए विकासशील देश अपने द्वार खोलें ताकि इन देशों की संस्थागत निवेशक विकासशील देशों के पूंजी बाजार में अपना निवेश बढ़ा सकें। जबकि आज, विशेष रूप से अमेरिका, वैश्वीकरण की नीतियों को धता बताते हुए केवल अपने देश को प्रथम स्थान पर रखकर वैश्वीकरण की नीतियों के संदर्भ में यू टर्न लेता हुआ दिखाई दे रहा है। किसी भी देश के लिए टैरिफ को अंधाधुंध बढ़ाना दुधारी तलवार की तरह है। जिस भी देश में भारी मात्रा में टैरिफ बढ़ाए जा रहे हैं उस देश के नागरिकों पर निश्चित रूप से इन उत्पादों के महंगे होने के चलते भारी बोझ पड़ने की सम्भावना बढ़ जाती है। क्योंकि, टैरिफ बढ़ाए जाने वाले देश में आयात की जा रही वस्तुओं के महंगे होने का खतरा बढ़ता है जिससे उस देश में मुद्रा स्फीति की दर में वृद्धि होती है और आर्थिक मंदी की सम्भावना बढ़ती जाती है। अमेरिका की देखा देखी अब रूस ने भी चीन से आयात किए जा रहे चारपहिया वाहनों पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है। चीन ने, आज रूस के 3/4 ऑटोमोबाइल बाजार पर अपना कब्जा कर लिया है। चीन ने हालांकि रूस में चार पहिया वाहनों के निर्यात के मामले में पश्चिमी देशों को झटका देते हुए अपना निर्यात रूस में बढ़ाया है। शुरू शुरू में तो रूस को यह अच्छा लगा परंतु अब उसे महसूस हो रहा है कि किसी भी उत्पाद के आयात के मामले में केवल एक देश पर निर्भरता उचित नहीं है। अतः अब रूस ने चीन से आयात किए जाने वाले चारपहिया वाहनों पर टैरिफ लगाना प्रारम्भ कर दिया है। साथ ही, रूस अब अपने देश में ही चारपहिया वाहनों का उत्पादन करने वाली विनिर्माण इकाईयों की स्थापना करना चाहता है ताकि रूस में ही रोजगार के नए अवसर निर्मित हो सकें। टैरिफ युद्ध के चलते अमेरिका में भी आर्थिक मंदी का खतरा बढ़ता जा रहा है। हालांकि इसकी सम्भावना वर्ष 2024 में भी की जा रही है। जे पी मोर्गन ने पूर्व में अपने एक आंकलन में बताया था कि अमेरिका में आर्थिक मंदी की सम्भावना 17 प्रतिशत है जबकि अब अपनी एक नई रिसर्च के आधार पर एक आंकलन में बताया है कि अमेरिका में आर्थिक मंदी की सम्भावना 31 प्रतिशत तक बढ़ गई है। इसी प्रकार गोल्डमैन सैचस ने भी पूर्व में अमेरिका में आर्थिक मंदी की 14 प्रतिशत की सम्भावना व्यक्त की थी जो अब बढ़कर 24 प्रतिशत हो गई है। अमेरिका अपने देश में विभिन्न वस्तुओं के आयात पर टैरिफ लगा रहा है।

ओटीटी चैनलों पर भरी पड़ी है अश्लीलता...

अतुल चतुर्वेदी

फागुन आ गया है। ढोलक और चंग की थाप हवा में गूंज रही है। फागुन पर कभी होली, ठुमरी और राजस्थान में खयाल गाए जाते थे। फागुन में होली गीतों में भी गालियों के गायन की परंपरा रही है। हमारे समाज में गालियां जिस रूप में रही हैं, उनका मकसद जो रहा है, उसमें गालियों का समर्थन नहीं किया जा सकता। हालांकि सिर्फ मनोरंजन और शुद्ध सात्विक भाव से गालियों के बिना भी मजाक किया जा सकता है और यह आनंद का जरिया बन सकता है। इसी तरह उलाहने और ताने के बजाय जली-कटी हो, तो वह सद्भाव के माहौल को बाधित करता है। अब आजादी के इतने दशकों के उपरांत हम एक सभ्य और संस्कृतिशील समाज की जगह अपसंस्कृति के शिकार होते जा रहे हैं, तो यह हम सबके लिए सोचने की बात है। अपनी अभिव्यक्ति की आजादी का हम रचनात्मक उपयोग कम, उसका विध्वंसात्मक और कुत्सित उपयोग अधिक कर रहे हैं। फागुन में कहे-सुने का कोई बुरा नहीं मानता। हास्यपरक टिप्पणी की जाती है। लेकिन इन दिनों होली के मौके पर गालियों में एक किस्म की विकृत मानसिकता झांकती दिखाई देती है। कुछ वर्ष पहले तक पत्र-पत्रिकाओं के होली विशेषांक आया करते थे। पर लगता है समय के साथ-साथ यह परंपरा खत्म होती गई है, लोकतंत्र, अभिव्यक्ति और सहिष्णुता का मोर्चा कमजोर हुआ है। आज के राजनेता और शासक अपने ऊपर बने कार्टून और तंज या व्यंग्य को बर्दाश्त नहीं कर पाते। सोशल मीडिया पर या तो व्यापार है या फिर वहां कई वजहों से टिप्पणियों को बाधित या प्रतिबंधित कर दिया जाता है। तंज और व्यंग्य के जरिए आगे की राह देखने वाला हमारा समाज आज आहिस्ता आहिस्ता एक गाली प्रधान समाज में तब्दील होता जा रहा है। ओटीटी चैनल और हास्य प्रधान कार्यक्रम इसके ज्वलंत उदाहरण हैं, जिन्होंने कमजोर साइबर कानून का भरपूर फायदा उठाया है। ओटीटी चैनलों पर तो इतनी नग्नता और अश्लीलता भरी पड़ी है कि कोई परिवार के संग, ढंग से बैठकर धारावाहिक देख नहीं सकता। हास्य कार्यक्रम में माता-पिता पर भद्दी टिप्पणियां की जाती हैं। इससे रिश्तों की गरिमा न केवल तार-तार हो रही है, बल्कि लिहाज का पर्दा भी समाप्त हो रहा है। आपसी मर्यादा भंग हो रही है। लोकप्रियता और ज्यादा प्रसिद्धि या प्रचार पाने का यह खेल भारतीय समाज को 'बोल्ड' या आधुनिक नहीं, असभ्य और असांस्कृतिक समाज के रूप में तब्दील कर रहा है। समाज और सत्ता तंत्र के कुछ हिस्से में गालियां बेहिचक बोलने का चलन-सा है और उसे सहजता से लिया जाता है। युवाओं के बीच आपसी बातचीत में कई विदेशी के साथ-साथ देशी गालियां दोस्ती-यारी में दे दी जाती हैं। इसका सबसे दुखद पक्ष यह है कि अधिकतर गालियां स्त्रियों के शरीर को लक्षित करके दी जाती हैं, जो पुरुषों की कुत्सित मानसिकता और पुरुषवादी समाज का कुरूप चेहरा भी बताती हैं। किसी भी सभ्य समाज की पहचान परस्पर शालीन आचरण और सहअस्तित्व की भावना तथा स्वीकार्यता से होती है। दूसरों को लक्षित करके की गई टिप्पणियां और गालियां, चाहे वह लिंग आधारित हों या जातीय या नस्लीय श्रेष्ठता का वर्चस्व स्थापित करने वाली। उससे न केवल आपसी मनमुटाव बढ़ता है, बल्कि कटुता का वातावरण बनता है। कलाकारों, लेखकों और शिक्षित समाज का काम है समाज को सुसंस्कृत और वैचारिक रूप से समृद्ध बनाना, न कि आग में घी डालकर अपने हितों को तथाकथित फिल्म निर्माताओं की तरह पूर्ण करना। हालात यहां तक बदतर हो चुके हैं कि राजनीतिक हलकों में भी कई बार अपशब्दों का प्रयोग कर दिया जाता है। यह हमारे राजनीतिक नेतृत्व की अपरिपक्वता और असंयम का उदाहरण तो है ही, सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने का संक्षिप्त रास्ता भी है। सदनों में कई-कई दिनों तक गतिरोध की स्थिति रहती है और लाखों रुपए जाया होते हैं। जनता के हित के विषय, बिना तार्किक निष्कर्षों के या तो पारित हो जाते हैं या लटके रह जाते हैं। भाषणों और चुनावों में तो जिस तरह की हल्की और आपत्तिजनक भाषा, बयानों और टिप्पणियों का प्रयोग एक दूसरे के खिलाफ होता है, वह भारतीय राजनीति को शर्मसार करने के लिए पर्याप्त है। अफसोस की बात है कि आज समाज और संसार अपने ज्यादा सभ्य और आधुनिक होने का दावा कर रहा है।

राष्ट्रपति शासन के बाद भी मणिपुर में हिंसा का सिलसिला जारी

मणिपुर में हिंसा की ताजा घटनाएं यह बताने के लिए काफी है कि वहां शांति बहाल करने और समस्या का कोई ठोस हल निकालने के लिए अब तक जितने भी प्रयास किए गए, उनके पीछे दूरदर्शिता की कमी रही। हैरानी की बात यह है कि राज्य में हिंसा की शुरूआत के बाद मई में अब दो वर्ष हो जाएंगे। इसके कारण आमतौर पर स्पष्ट रहे हैं कि यह टकराव मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के मसले से पैदा हुआ। इसके बावजूद राज्य से लेकर केंद्र सरकार की ओर से ऐसा कोई हल या प्रस्ताव सामने नहीं आ सका है, जिस पर संबंधित पक्षों के बीच सहमति बने और राज्य में शांति कायम हो। यह एक तरह से राज्य सरकार की नाकामी ही थी कि चौतरफा और लगातार सवाल उठने के बीच वहां के मुख्यमंत्री को आखिर इस्तीफा देना पड़ा। उसके बाद लागू राष्ट्रपति शासन में भी हिंसक घटनाओं पर काबू पाने और स्थिति में सुधार के मोर्चे पर अब तक आश्वासनों से आगे बढ़ कर कुछ भी ऐसा नहीं किया जा सका है, जो जमीनी स्तर पर स्थानीय लोगों और खासतौर पर हिंसा प्रभावित समुदायों के भीतर विश्वास पैदा करे और वे राज्य में शांति बहाली में भागीदारी निभाएं। गौरतलब है कि मणिपुर के कांगपोकपी में शनिवार को इंफल-दीमापुर उच्च मार्ग पर कुकी समुदाय और सुरक्षाबलों के बीच झड़प हुई, जिसमें एक व्यक्ति की जान चली गई। वहीं इस टकराव में सत्ताईस से ज्यादा जवान घायल हो गए। दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में सभी सड़कों पर वाहनों की स्वतंत्र आवाजाही को लेकर एक निर्देश जारी किया था। राज्य में सबसे ज्यादा प्रभावित समुदाय के स्थानीय लोगों ने निर्देश का व्यापक विरोध किया, जिसके बाद तनाव बढ़ गया और अब फिर अराजकता की स्थिति में कांगपोकपी में कई इलाकों में कर्फ्यू लगाने की नौबत आई। यह स्थिति तब है, जब मुख्यमंत्री के इस्तीफे के बाद वहां राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया है, वहां के राज्यपाल ने उपद्रवियों से सभी लूटे गए हथियार जमा करने को कहा है। अब तक पांच सौ से ज्यादा हथियार जमा भी किए जा चुके हैं। मगर यह साफ है कि हिंसा को थामने और उससे भी ज्यादा समस्या के हल के लिए कुछ भी ऐसा ठोस नहीं किया गया है, जिससे स्थायी रूप से शांति कायम करने का कोई रास्ता निकले। सही है कि सड़कों पर बेरोकटोक आवाजाही सुनिश्चित करना स्थिति को सामान्य बनाने में एक सहायक कदम हो सकता है। लंबे समय से राज्य में जारी हिंसा के बीच संभवतः वहां के सभी प्रभावित लोग और समुदाय शांति की उम्मीद में होंगे। लेकिन यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि अगर यह समस्या के मूल कारणों को दूर किए बिना सतह पर कुछ किया जाता है, तो इसके नतीजे अनुकूल नहीं भी आ सकते हैं। ताजा हिंसा के बाद स्थानीय कुकी संगठनों की ओर से जैसी प्रतिक्रिया आई है, वह इसी का उदाहरण है। कुकी समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संगठन की ओर यह कहा गया कि वे शांति का समर्थन करते हैं, लेकिन इस तरह के उपायों से नाराजगी और संघर्ष की स्थिति पैदा होगी। राज्य में हिंसा की शुरूआत के करीब पौने दो वर्ष बाद भी अगर हालात में कोई सुधार आता नहीं दिख रहा है, तो यह सरकारों के भीतर ईमानदार राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी को ही दर्शाता है। जब तक स्थायी शांति के लिए राजनीतिक स्तर पर ठोस समाधान नहीं निकाला जाता, तब तक तात्कालिक उपायों का शायद कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आएगा।

आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

सकोरे व पानी की टंकियों का नि: शुल्क वितरण कल से

मंदसौर, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पर्यावरण मित्र संस्था मनासा द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए पक्षियों के लिए मिट्टी के सकोरे व पशुओ के लिए पानी की टंकिया दिनांक - 18 मार्च से 20 मार्च तक स्थान - समन्वय टाकीज, अक्षत नगर मनासा समय - दोपहर 2 से 5 बजे तक नि: शुल्क वितरित करेगी ,संस्था ने 300 सकोरे व 30 पानी की टंकिया वितरित करने का लक्ष्य रखा है। सकोरे व टंकी उन व्यक्तियों को नि: शुल्क उपलब्ध कराई जा रही है जो व्यक्ति प्रतिदिन पक्षियों व पशु के लिये पीने का पानी भर सकें।

जिला पोषण समिति की बैठक आज

नीमच, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक आज 17 मार्च 2025 को प्रात: 10.30 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में आयोजित की जा रही हैं। कार्यक्रम अधिकारी श्री टीसी मेहरा ने समिति के सभी सदस्यों से इस बैठक में उपस्थित होने का आगृह किया हैं।

स्वाभिमान का बीज बोएं व समर्थ का फल पाएं-जोशी

श्री भीमाशंकर महादेव मंदिर पर 'स्वाभिमान का बीज' विषय पर परिचर्चा सम्पन्न

मंदसौर, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। यदि किसी व्यक्ति के अन्दर स्वाभिमान का गुण है तो कैसी भी परिस्थिति हो वह कभी लाचार, दीनहीन व गरीब नहीं हो सकता। उसके अन्दर संघर्ष करने का ईश्वर प्रदत्त एक विशेष गुण होता है। जो उसे किसी के सामने हाथ फैलाने नहीं देता है। वह अपने पुरुषार्थ से अपने लक्ष्य को प्राप्त करता है। वह व्यक्ति अमीरी गरीबी के दुष्चक्र से दूर रहता है। लाचारी तो उसे छू भी नहीं पाती है। ऐसे व्यक्तियों से ही समर्थ समाज व समर्थ राष्ट्र का निर्माण होता है।

उक्त विचार इंजी. दिलीपकुमार जोशी ने व्यक्त किए। वे बड़ी होली, किला रोड स्थित प्राचीन श्री भीमाशंकर महादेव मंदिर पर राष्ट्र व सनातन जागरण अभियान के अंतर्गत अनुराग संस्था व ब्रह्म परिषद के संयुक्त आयोजन में 'स्वाभिमान का बीज' विषय पर अपने विचार रख रहे थे। विषय को विस्तार देते हुए जोशी ने कहा कि वर्तमान की राजनीति में जनता को नगद राशि व अनेक अन्य लालच देकर चुनाव जीतने का चलन बढ़ा ही घातक है। यह जनता को पंगु व अकर्मण्य बना रहा है। जो देश के विकास में बड़ी बाधा है। परिचर्चा में अपने विचार रखते हुए समाजसेवी सुरेशकुमार सावरा ने कहा कि आज तक जितने भी महापुरुष हुए हैं वे महापुरुष बने ही इस कारण से कि उनमें स्वाभिमान के गुण कूट कूटकर भरे हुए थे। उनके जीवन में कैसी भी परिस्थितियां रही हों, कितना ही संघर्ष करना पड़ा हो किंतु उन्होंने अपने स्वाभिमान को झुकने नहीं दिया और अंत में समर्थ का फल प्राप्त किया। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए जन जन में स्वाभिमान का बीज बोना होगा। इस अवसर पर समाजसेवी विनोदकुमार तिवारी ने बताया कि स्वाभिमान का स्वाद, उसका असीम आनन्द कैसा होता है। यह वही व्यक्ति बता सकता है जिसने उस राह पर चलकर समर्थ फल चखा हो। लालच से घिरा व्यक्ति दूसरों पर निर्भर होता है। वह पराधीन होता है जबकि स्वाभिमानी व्यक्ति सामर्थ्यवान होता है। वह स्वयं के अतिरिक्त अन्य का सहयोग करने की भी क्षमता रखता है। अनुराग संस्था के संस्थापक गोपालकृष्ण पंचारिया ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए जन जन में स्वाभिमान का बीज बोना होगा।

नालछा माता में फाग महोत्सव मना

दुकानों एवं कारों में घरेलू एलपीजी गैस की बेखौफ हो रही खपत..!

पंकज बैरागी

सुवासरा, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगर के बाजारों में धड़ल्ले से एलपीजी घरेलू गैस का खुलेआम दुरुपयोग किया जा रहा है। वही एलपीजी घरेलू गैस सिलेंडर को व्यवसायिक कार्य हेतु उपयोग किया जा रहा है। नगर की कई दुकान एवं गाड़ियों मे एलपीजी गैस का उपयोग हो रहा हैं। दुकानदारों को इस संबंधित विभाग की कार्यवाई का डर भी नहीं हैं। यहां सरकारी नियम की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है। अधिकारी भी बेपरवाह बने हुए हैं। 90% स्थान पर कमर्शियल के बजाय घरेलू गैस सिलेंडर अवैध रूप से प्रयोग में लिया जा रहा है। दुकानदार तो खुले आम घरेलू गैस सिलेंडर को भट्टीयो में लगा रहे हैं। उससे यह लगता है कि यह खाद्य विभाग की मिली भगत का खेल है। यह सारी लापरवाही केवल 27 से 30रूपये प्रति किलो गैस की राशि बचने के लिए हो रहा है। नियम के अनुसार किसी भी दुकान पर घरेलू गैस सिलेंडर का इस्तेमाल नहीं हो सकता है। लेकिन शहर में कई दुकानों और ठेलों पर घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग किया जा रहा है। दुकानदार पर कमर्शियल सिलेंडर केवल दिखाने के लिए रखे हुए हैं। जैसे कुछ

खाद्य विभाग की बेरुखी के चलते शासन-प्रशासन हुआ नतमस्तक

दुकानों पर खुले आम घरेलू एलपीजी सिलेंडर देखे जा सकते हैं तो कुछ कपडे की बोरियो मे छुपा कर घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग कर रहे हैं। शहर के नामी प्रतिष्ठानों के संचालक इन नियमो का पालन नहीं कर रहे हैं। इन दुकानदारों पर बडी संख्या में कचोरिया समोसे व चाय के ठेलो पर घरेलू गैस का उपयोग धड़ल्ले से होता जा रहा है। वही सुवासरा पेट्रोल पंप चौराहा, सुवासरा गांव चौपाटी, न्यू बस स्टैंड सुवासरा, पुराना बस स्टैंड, हॉस्पिटल रोड, गणपति चौराहा, तहसील रोड, सुवासरा नई आबादी और भी कई स्थानों पर और होटलो पर घरेलू गैस का दुरुपयोग किया जा रहा है। वही सुवासरा पेट्रोल पंप चौराहा पर कई स्थान पर मारुति वैन इको गाड़ियों में भी धड़ल्ले से गैस भरी जा रही है। और बेची जा रही है। शहरों के कई क्षेत्रों में मिठाइयां, नमकीन और रेस्टोरेंट पर देखने और जाँच करने की हिम्मत तक नहीं हैं। खाद्य प्रशासन की छुट है सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारी लोग कान में रुई डाले सोए हुए हैं। शहर के कई बडे रेस्टोरेंट चल रहे हैं। जिसमें व्यावसायिक सिलेंडर की जगह घरेलु गैस का उपयोग हो रहा है। उसकी जांच की हिम्मत अधिकारियों मे भी नहीं हो रही है।

यह है की कीमत गणित–महज 28 रूपये प्रतिकिलों गैस बचाने के चक्कर में अवैध तरीके से घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग किया जा रहा है। 14.2 किलो घरेलू गैस सिलेंडर 897 रुपये की आती है। जबकि 19 किलो वाली व्यवसायिक गैस सिलेंडर 1960.50 रुपये का पड़ता है। यानी घरेलू गैस सिलेंडर लगाने पर करीबन 27 रुपये प्रति किलो दुकानदारों को बचता है। एवं घरेलू सिलेंडर के हिसाब से यह बचत 400 रुपए लगभग होती है। इस विषय पर एक सूचना अधिकार भी लगाया हुआ है इस विषय की सूचना देने के बावजूद भी जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारियों के द्वारा आज दिन तक किसी भी प्रकार की कोई धर पकड नहीं की जा रही है। और ना कोई जानकारी दी जा रही है सूत्रों के अनुसार मिली जानकारी के अनुसार कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी मंदसौर कार्यालय में लंबे समय से बैठकर टाइम पास करते हुए आपने पद का दुरूपयोग कर रहे हैं अब देखना है कि मंदसौर जिला कलेक्टर, सीतामऊ एसडीएम, वा सुवासरा तहसीलदार, अधिकारियो को इन समस्त समाचार पत्रों के माध्यम से अवगत कराया जाता है, कि सुवासरा नगर में जो एलपीजी गैस घरेलू गैस का दुरुपयोग धड़ल्ले से हो रहा है उस पर सख्त कार्रवाई की जावे अन्यथा आगे और कोई कदम उठाने पडेंगे जिसकी समाप्त जवाबदारी शासन प्रशासन की रहेगी।

इनका कहना

खाद्य विभाग अधिकारी का कहना ये है की हमारे अधिकारी सुवासरा नगर मे पोहच गए हैं निरक्षण के लिए और घरेलू गैस का दुरुपयोग मिलता है तो उचित कार्यवाही की जावेगी।

नरेंद्र सिंह चंद्रावत
खाद्य अधिकारी मन्दसौर

सीतामऊ एसडीएम मैडम का कहना हैं की हम टीम भेज रहे हैं सख्त कार्यवाही की जावेगी।

शिवानी गर्ग, एसडीएम सीतामऊ

बार-बार बदल रहे सोने-चांदी के भाव

रिकार्ड स्तर पर पहुंचे चांदी के दाम, सोने ने भी बनाए नए रिकार्ड

मंदसौर, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। सोने-चांदी के भाव में इन दिनो कुछ अलग तरह का बदलाव देखने को मिल रहा है। जिस प्रकार तापमान में उतार-चढ़ाव दिखाई दे रहा है, वैसे ही हाल सोने-चांदी के दाम के भी है। उसमें भी कभी तेजी तो कभी गिरावट देखी जा रही थी। पिछले 15 दिनों में सोने-चांदी के भाव कम हुए और बाद में इतने ही वापस बढ़ गए हैं। रविवार अवकाश से पहले शनिवार को सोना एक हजार रुपए प्रति दस ग्राम की तेजी के साथ 89,100 रुपए प्रति दस ग्राम व चांदी 1150 रुपए प्रति किलो की तेजी के साथ एक लाख रुपए (99,700) के करीब पहुंच गई।

नए वर्ष के बीते ढाई माह में सोना-चांदी ने निवेशकों का खासा रिटर्न दिया है। इस दौरान सोने में 10,500 रुपए की तो चांदी में 12,200 रुपए की तेजी आई है। इसमें पांच हजार से अधिक की तेजी जनवरी माह में देखी गई। जनवरी माह के शुरुआत में सोना 78,600 रुपए प्रति दस ग्राम था। जो माह के अंतिम में 84,000 पहुंच गया। इसी तरह 88,300 रुपए वाली चांदी माह के अंत में 94 हजार पहुंच गई। सराफा कारोबारियों के अनुसार अमेरिका के राष्ट्रपति की टैरिफ की धमकियों व राजनैतिक जोखिम के चलते शेयर बाजार में गिरावट आई है। इसके चलते केंद्रीय बैंक सोने व चांदी खरीद रहे है। इसका असर स्थानीय बाजार पर पड़ा है। दोनों धातुओं में तेजी के चलते स्थानीय बाजार में ग्राहकी का अभाव है।

एक लाख से तीन सो रुपए दूर-

एमसीएक्स बंद होने के बाद भाव में तेजी समझ से परे नजर आ रही है।

इधर फरवरी माह के 28 दिनों में सोना 3,200 रुपए प्रति दस ग्राम व चांदी 2300 रुपए प्रति किलो उछली। फरवरी की शुरुआत में सोना 84 हजार रुपए प्रति दस ग्राम था जो माह के अंत में 87,200 पहुंच गया। इसी प्रकार 94 हजारी चांदी माह के अंत में 96,300 रुपए पहुंच गई। मार्च के माह के बीते 15 दिनों में दोनों धातुओं के भाव में उतार-चढ़ाव जारी रहने के बाद भी सोना 1,900 रुपए प्रति दस ग्राम व चांदी 4,200 रुपए प्रति किलो उछली। मार्च माह की शुरुआत में सोना 87,200 रुपए प्रति दस ग्राम था जो 15 मार्च तक 89,100 रुपए हो पहुंच गया। इसी तरह 95,500 रुपए वाली चांदी 15 मार्च को 99,700 रुपए प्रति किलो पहुंच गई।

चांदी के भाव एक लाख से महज 300 रुपए दूर दूर है। सराफा बाजार में शनिवार को चांदी 99,700 रुपए प्रतिकिलो बिकी यह पहला मौका है जब चांदी के भाव इस स्तर पर पहुंचे हैं। इसके पहले दिवाली पर चांदी के भाव 99 हजार रुपए प्रतिकिलो रहे थे। व्यापारियों के मुताबिक तेजी आगे भी जारी रहेगी। थे। कुछ व्यापारियों ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भाव में तेजी का असर घरेलू बाजार पर हो रहा है। इससे सोने व चांदी के भाव रोज रिकॉर्ड बना रहे हैं। आगे चांदी एक लाख रु. प्रतिकिलो के पार तो सोना 90 हजार प्रति दस ग्राम के पार बिकेगा। रिकॉर्ड-चांदी के साथ सोने ने भी शनिवार को नए रिकॉर्ड बनाए और सोना 89,100 रुपए प्रति दस ग्राम बिका। सोने के यह भाव ऑल टाइम हाई है। वहीं जेवराती सोना 81 हजार 616 रुपए प्रति दस ग्राम बिका।

रंगपंचमी पर निकलेगी रंगारंग फाग यात्रा, समिति प्रमुखों की बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। सामाजिक समरसता मंच के तत्वावधान में 19 मार्च बुधवार रंग पंचमी पर्व पर नगर में आयोजित भव्य फाग महोत्सव की तैयारी को लेकर नगर पालिका सभागृह में नगर के गण मान्य जनों की एक बैठक संपन्न हुई। बैठक में फाग महोत्सव के अंतर्गत निकलने वाली भव्य फाग यात्रा के स्वरूप पर चर्चा की गई।परंपरागत रूप से फाग यात्रा का पुराने बस स्टैंड से श्री बड़े बालाजी मंदिर पर महा आरती कर शुभारंभ किया जाएगा।

बैठक को संबोधित करते हुए श्री दशरथ सिंह झाला ने कहा कि होली समाजों के मिलन का पर्व है। हमारी सनातन परंपरा में जो सामाजिक व्यवस्थाएं हैं उनके अनुरूप इस पर्व पर समाज में समरसता के भाव जागृत रहे इसी उद्देश्य से भाग यात्रा निकल जा रही है। उन्होंने फाग यात्रा के लिए गठित विभिन्न समितियां के प्रभारी और सदस्यों से उनकी तैयारियों के संबंध में जानकारी ली। वरिष्ठ समाजसेवी श्री सत्यनारायण सोमानी में बैठक में संबोधित करते हुए कहा कि रंग पंचमी की फाग यात्रा मंदसौर की सामाजिक एकता और समरसता का प्रतीक बन चुकी है इसमें सभी लोग उत्साह से सम्मिलित होते हैं उन्होंने फाग यात्रा को और भव्यता प्रदान करने का आह्वान किया। फाग महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष राजकुमार राठौर ने नगर वासियों विशेष कर युवा और बच्चों से इस भव्य यात्रा में सम्मिलित होने का अनुरोध किया।समरसता मंच के जिला संयोजक मानवेंद्र सिंह ने कहा कि आज्ञात्र रंग पंचमी के दिन सभी

समाजों के मिलन का एक माध्यम है नगर में इस परंपरा को अनवरत जारी रखा गया है और इसकी भव्यता में और वृद्धि की जा रही है वरिष्ठपत्रकार डॉ घनश्याम बटवाल ने कहा कि रंग पंचमी की यह फाग यात्रा हमारे नगर और अंचल की उत्सवी परंपरा का महत्वपूर्ण सोपान है इसमें सभी को शामिल होना चाहिए। पत्रकार ब्रजेश जोशी ने कहा कि 25 साल पूर्व तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष यशपाल सिंह सिसोदिया ने नगर पालिका के माध्यम से रंग पंचमी के दिन जनता गेर निकाली थी इसी पृष्ठभूमि के आधार पर सामाजिक समरसता मंच ने इस जनता गेर को फाग यात्रा का भव्य स्वरूप प्रदान किया तब सामाजिक समरसता मंच के संयोजक वर्तमान सांसद श्री सुधीर गुप्ता थे। भाग महोत्सव के लिए गठित विभिन्न समितियों के प्रभारियों अमरजीत सिंह चावला,पं. अरुण शर्मा,हेमंत बुलचंदानी प्रदीप भाटी, नरेंद्र त्रिवेदी, करण परिहार ने अपनी समिति की तैयारियों के बारे में अवगत कराया। बैठक का संचालन श्री जयदेव सिंह चौहान एडवोकेट ने किया आभार श्री जितेंद्र गेहलोत ने माना। बैठक में में समितियों के सदस्य और आमंत्रित जन सम्मिलित हुए।

यह रहेगा फाग यात्रा का रूट– फाग यात्रा प्रात 10:00 बजे श्री बड़े बालाजी मंदिर पुराने बस स्टैंड पर महा आरती के साथ आरंभ होगी जो भारत माता चौराहा से घूम कर नीलम होटल वाले रास्ते से कालाखेत से नयापुरा रोड, वरुण देव चौक, गणपति चौक, बड़ा चौक, धान मंडी,वीर सावरकर पुलिया और प्रतापगढ़ रोड से मंडी गेट सदर बाजार होकर घंटाघर आजाद चौक पर संपन्न होगी कुछ स्थानों पर फाग यात्रा का सत्कार भी किया जाएगा।

दशपुर अकाउंटेंट एसोसिएशन का होली मिलन समारोह एवं बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। दशपुर अकाउंटेंट एसोसिएशन मंदसौर का होली मिलन समारोह एवं मीटिंग का आयोजन स्थानीय दशपुर कुंज में दिनांक 16 मार्च, रविवार को किया गया। जिसमें एसोसिऐशन से जुड़े बड़ी संख्या में अकाउटेंट ने उपस्थित होकर एक दूसरे को गुलाल लगाई व होली पर्व की शुभकामनाएं दी। इस दौरान एसोसिएशन की विभिन्न गतिविधियों को लेकर भी चर्चा हुई एवं निर्णय लिये गये। इस अवसर पर एसोसिएशन के मोहनलाल कुमावत, चन्द्रेश बाफना, यशवंत पोखरना, अभय नाहर, कैलाश सोनी, हेमन्त जैन, अजय फांफरिया, संदीप डांगी, ललित काबरा, महेश सौलंकी, लक्ष्मीनारायण गोयल, नीतिन गर्ग, यशवंत गोयल आदि उपस्थित थे। आभार एसोसिएशन सचिव ललित काबरा ने माना।

29 वां ग्रीष्मकालीन मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

मंदसौर, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मिक्स मार्शल आर्ट एसोसिएशन मंदसौर के संचालक अध्यक्ष गगन कुरील मीडिया प्रभारी सुरेश भाटी ने बताया की मिक्स मार्शल आर्ट एसोसिएशन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वधान में 29 वा ग्रीष्मकालीन ताइक्वांडो ,वूशु कराते, पेंचिक सिलाट मार्शल आर्ट समर कैंप शासकीय कन्या महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय गांधी चैराहा शाम 5.30 से , पुराने आरटीओ ऑफिस के आगे में मेघदूत नगर शाम 5.30 से मास्टर यश हीवे, आईपीएस इंग्लिश स्कूल गांधीनगर शाम 4 बजे मास्टर धवल कुमावत, तीन स्थान में लगाया गया है जिसमें 4 साल से 20 साल तक के बालक एवं बालिकाएं भाग ले सकती हैं।

इस कैंप में मार्शल आर्ट आत्मरक्षा सेल्फ डिफेंस के अलावा आत्मरक्षा की कई शैली सिखाई जाएगी। कैंप समापन के दौरान कंपटीशन कराया जाएगा जिसमें श्रेष्ठ खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे। मंदसौर के सभी पालकों से निवेदन है कि अपने बालक एवं बालिकाओं को समर कैंप में भेज कर आत्मनिर्भर बनाए एवं खेल के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक विकास हो सके स सभी बालकों से निवेदन है अपने बालक एवं बालिकाओं को समर कैंप में भागीदारी करवाये।

बजरंगदल का त्रिशूल दीक्षा, संयोजक सम्मेलन संपन्न

हमें सभी भ्रम, षडयंत्रों को तोड़ते हुए हिन्दू समाज की व्यापक शक्ति को संगठित कर चुनौतियों से निपटना है-भार्गव

मनासा, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मनासा अटल स्मृति सभागृह में बजरंगदल का त्रिशूल दीक्षा और संयोजक सम्मेलन विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री ,राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक मा.खगेन्द्र भार्गव,बजरंग प्रांत संयोजक नितिन पाटीदार,विभाग मंत्री अनुपाल सिंह झाला,विभाग संयोजक खुमान सिंह सिसोदिया, जिला संयोजक दुर्गेश धनगर, जिला सहमंत्री विनोद माली,प्रखंड

अध्यक्ष अर्जुन यजुर्वेदी,मातृशक्ति प्रखंड संयोजिका मंजू दीदी गेहलोद की उपस्थिति में रामदरबार और भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण ओर दीप प्रज्वलित,त्रिशूल की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की।

कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए बजरंग दल प्रांत संयोजक नितिन पाटीदार ने बताया कि हमारे देवी देवता के भी हाथों में शस्त्र धारण है,अत: हम सभी युवाओं को देश,धर्म,गौमाता,बहन बेटियों की रक्षा सुरक्षा के लिए शस्त्र होना चाहिए ,साथ ही शौर्य कुंभ 29 मार्च में होने वाला है उसके बारे में बताया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मा.खगेंद्र भार्गव प्रांत संगठन मंत्री द्वारा अपने ओजस्वी उद्बोधन में बताया कि सभी भ्रमों, षडयंत्रों को तोड़ते हुए हिन्दू समाज की व्यापक शक्ति को संगठित करना है। आज वर्तमान समय में जो चुनौतीपूर्ण परिस्थिति बन रही है। उससे निपटने के लिए बजरंग दल के नेतृत्व में एक बड़ी युवा शक्ति का खड़ा होना आवश्यक हो गया है। इतिहासकारों ने भ्रमित किताबें लिखकर सनातन परम्पराओं को मिथ्या बताने का षडयंत्र किया। हिन्दू समाज को तोड़ने के अनेक षड्यंत्र वर्तमान में भी रचे जा रहे हैं। इसलिए संगठन के कार्यकर्ताओं को हिन्दू हम सब एक के सिद्धांत पर चलकर समाज की एकजुट शक्ति का निर्माण करके शौर्य कुंभ व बजरंग दल अभियान से हर युवा को जोड़ना है। हमारे खण्ड में हर मोहल्ले में बजरंग दल की समिति बनाना, रामोत्सव के निमित्त कार्ययोजना बनाना, समिति को सक्षम समिति बनाना है। कार्यक्रम का संचालन प्रखंड संयोजक सर्वेश झवर ने किया,अतिथि परिचय संगठन पद्धति से प्रखंड मंत्री मंगल सिंह देवड़ा ने करवाया ओर आभार जिला गौरक्षा प्रमुख राहुल कुशवाह ने माना। इस अवसर पर प्रेम कुशवाह, कपिल आचार्य,तेजकरण मोदी, जगपाल फरक्या, मंगल सिंह, सावन चौहान, मिश्रीलाल खुँवार,अजय जगोलिया, प्रवीण मुजावदिया,चयन दरक, अविनाश आर्य, अनिल कुशवाह, राजू गोस्वामी, सहित प्रखंड ओर खंड के दायित्व वान कार्यकर्ता,मातृशक्ति उपस्थित रहे।

स्व.श्री हनुमान प्रसाद दुरग की स्मृति में भजन संध्या सम्पन्न

मनासा, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगर के माहेश्वरी समाज के पुर्व अध्यक्ष स्व. हनुमान प्रसाद दरक की स्मृति में श्री व्दारिका धीश मंदिर पर सुबह महाअभिषेक के बाद ध्वजारोहण कर महाआरती की गई।

दोपहर व्दारिका पूरी धर्मशाला में भव्य भजन संध्या आयोजित की गई भजन संध्या में इन्दौर के प्रसिद्ध भजन गायक सावन नागदा ने अपने मधुर संगीत मय भजनों पर भक्तजन झूमते हुए नाच रहे थे भजन संध्या में सांवरिया सेठ की शानदार झांकी फुलों से सजी हुई थीं। भजन संध्या में इन्दौर नीमच, मन्दसौर, राजस्थान से क ई भक्त जन भजनों का आनंद लें रहे थे। सांवरिया सेठ के भजनों पर महिलाएं एवं पुरुष झुम झुम कर नाच रहे थे।

महाराष्ट्र समाज उन्नयन समिति ने फाग महोत्सव मनाया

मंदसौर, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। महाराष्ट्र समाज उन्नयन समिति द्वारा फाग महोत्सव आयोजित किया जिसमें समाज के प्रबुद्धजन एकत्रित हुए इसमें ठंडाई प्रसाद एवं अल्पाहार के साथ रंग और गुलाल से सभी लोगों ने फाग महोत्सव मनाया। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष राजेंद्र पाठक, सचिव अनिल झांसीवाले, समाज के सदस्य सुधीर चांदेकर, सुरेश कुलकर्णी, सुभाष बुगदे, प्रवीण कांटे, अनिल पाठक, एवं महिला मंडल के बालाताई ठाकरे, लता पाठक, बिना पाठक, लिना गोडबोले, वर्षा हुपेले, जयश्री लक्कड़ उपस्थित समाज जनों ने इस कार्यक्रम को बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया।

मालवी फिल्म में दिखाई देगी धर्मराजेश्वर की प्राचीन वैभवता

मंदसौर, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अंचल की विरासत और ऐतिहासिक धरोहर धर्मराजेश्वर मंदिर जिसका निर्माण कहा जाता है भीम द्वारा किया गया है। वहां पर थारो मारो प्रेम मालवी बोली की पहली रोमांटिक फिल्म की प्रोडक्शन टीम ने पूजा अर्चना के साथ में फिल्म की लोकेशन का अवलोकन किया।

पूज्य गुरुदेव व्यास जी के मार्गदर्शन में आपके पावन सानिध्य में भगवान विष्णु की पूजा अर्चना की आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर पूज्य गुरुदेव पंडित श्री जगदीश व्यास पैतृक चरण सेवक, ओम प्रकाश पुजारी, फिल्म थारो महारो प्रेम के निर्माता निर्देशक राजेंद्र राठौड़, अभिनेता संतोष जी परसाई, आर्टिस्ट एवं जर्नलिस्ट रूपेश कुमार सोलंकी सुदामा, बाल कलाकार मेहुल कुमार उपस्थित रहे। एक ही पत्थर से निर्मित यह मंदिर मालवा की संस्कृति इतिहास और अंचल की सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाता है। इस मंदिर का इस फिल्म में दर्शाया जाना निश्चित रूप से मंदिर के गौरव को विश्व पटल पर अंकित करने में मील का पत्थर साबित होगा। राठौर साहब से जब चर्चा हुई तब आपने बताया कि इस मंदिर पर फिल्मांकन के बाद निश्चित रूप से पर्यटकों की यहां पर बढ़ोत्तरी होगी। मंदसौर जिला ऐतिहासिक एवं पर्यटक दृष्टि से बहुत ही समृद्ध है और इस फिल्म के माध्यम से जिले की धरोहर गांधी सागर, पशुपतिनाथ मंदिर, अचेरा का किला, मंदसौर की प्राचीन गोवर्धन हवेली आदि महत्वपूर्ण लोकेशन फिल्म में दिखाई देगी। निर्देशक राजेंद्र राठौड़ ने इस विषय की जानकारी कलेक्टर महोदया श्रीमती अदिती गर्ग, विधायक महोदय हरदीप सिंह डंग और उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के साथ यशस्वी मुख्यमंत्री मोहन यादव को भी दी है। मालवा के इन प्राचीन पर्यटन स्थलों का अगर प्रचार प्रसार किया जाए तो हमारा क्षेत्र में काफी अवसर मिलेंगे, पर्यटन के साथ-साथ युवा को रोजगार भी मिलेगा मध्य प्रदेश शासन को ग्रामीण पर्यटन को विशेष कर कर बढ़ावा देना चाहिए यह बात राजेंद्र राठौड़ ने विशेष कर पर्यटन विभाग के अधिकारियों को भोपाल अवगत कराया।

युवाओं द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता के लिए सामूहिक दौड़ सम्पन्न

नीमच, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। युवाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक रनिंग क्लब की शुरुआत की गई है। यह दौड़, जो सतगुरु बेकरी के समीप भूतेश्वर मंदिर मार्ग से लेकर किलेश्वर महादेव मंदिर तक 1.5 किलोमीटर की दूरी तय करती है, का शुभारंभ रविवार सुबह 6:30 बजे किया गया। इस प्रकार की सामूहिक दौड़ें कभी-कभी रविवार को मनोरंजन और सामुदायिक एकजुटता के रूप में आयोजित की जाएंगी, ताकि नीमच में दौड़ने की संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके।

इस आयोजन के संस्थापक और नीमच रन क्लब के प्रतिनिधि, जयदीप गौड़ ने बताया कि वे पढ़ाई के सिलसिले में इंदौर में रहते हैं। उन्होंने देखा कि इंदौर के लोग स्वास्थ्य को लेकर बहुत जागरूक हैं और सुबह 4 बजे से ही दौड़ना शुरू कर देते हैं। वहाँ लंबी दूरी की 21 किलोमीटर मैराथन जैसी दौड़ें बड़े स्तर पर आयोजित की जाती हैं। लेकिन जब वे नीमच लौटे, तो उन्होंने देखा कि यहाँ केवल वरिष्ठ नागरिक ही सुबह की सैर में रुचि लेते हैं और अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हैं। युवाओं में स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता की कमी है, यहाँ तक कि सुबह के समय सड़कों पर एक भी युवा दौड़ते हुए नहीं दिखता। नीमच के युवाओं में दौड़ने की संस्कृति और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए उचित मार्गदर्शन और प्रेरणा की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस पहल की शुरुआत की गई है, जिसमें समय-समय पर सामूहिक दौड़ का आयोजन किया जाएगा। प्रारंभ में 1.5 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी, जिसे धीरे-धीरे 3 किमी, 7 किमी, 11 किमी और अंतत: 21 किमी तक बढ़ाया जाएगा। इसका मुख्य लक्ष्य जुलाई में एक भव्य मैराथन आयोजित करना है, जिसमें हर उम्र के व्यक्ति भाग लेंगे और 1,000 से अधिक लोगों को इस पहल से जोड़ा जाएगा। इस भव्य मैराथन की योजना को सफल बनाने के लिए खिलाड़ियों, पुलिस विभाग के अधिकारियों, सीआरपीएफ कर्मियों, शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों, विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों को भी जोड़ा जाएगा। इस दौड़ को खेल और मनोरंजन से जोड़ते हुए एक आनंददायक गतिविधि के रूप में शामिल किया जाएगा।

रोटरी क्लब मंदसौर के आगामी सत्र हेतु अध्यक्ष भूपेंद्र सोनी, सचिव कपिल भंडारी व कोषाध्यक्ष संजय जैन मनोनीत

मंदसौर, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मानव सेवा के लिए समर्पित रोटरी क्लब के नवीन सत्र वर्ष 2025-26 के लिए पदाधिकारी का मनोनयन हुआ। आगामी वर्ष हेतु रोटेरियन भूपेंद्र सोनी अध्यक्ष, कपिल भंडारी सचिव व संजय जैन कोषाध्यक्ष पद हेतु मनोनीत हुए। रोटरी क्लब अध्यक्ष रोटेरियन सुरेंद्र जैन (योग गुरु) व सचिव रितेश भगत ने जानकारी देते हुए बताया कि रोटरी क्लब के आगामी सत्र हेतु संस्था के नॉमिनेशन कमेटी की बैठक कमेटी अध्यक्ष रोटे. पवन पोरवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें आगामी सत्र 2025-26 हेतु अध्यक्ष भूपेंद्र सोनी, सचिव कपिल भंडारी व कोषाध्यक्ष संजय जैन के नाम सर्वानुमति से तय हुए। नॉमिनेशन कमेटी के अध्यक्ष रोटे पवन पोरवाल ने नए पदाधिकारी के मनोनयन की घोषणा की। मनोनीत अध्यक्ष भूपेंद्र सोनी वर्तमान में लगातार दूसरी बार स्वर्णकार समाज के सचिव के रूप में कार्य कर रहे हैं व पूर्व में रोटरी क्लब के सचिव भी रह चुके हैं।

सचिव पद पर निर्वाचित कपिल भंडारी भी जैन सोशल ग्रुप व वैश्व महासम्मेलन सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं में लगातार सक्रिय रहे हैं व वर्तमान में रोटरी क्लब के प्रवक्ता भी है। कोषाध्यक्ष पद पर निर्वाचित संजय जैन भी लगातार सामाजिक आयोजनों व रोटरी क्लब में सक्रियता से कार्य कर रहे है। बैठक में निर्वाचन समिति सदस्य रोटरी क्लब अध्यक्ष सुरेन्द्र जैन (योगगुरु), सहायक मंडलाध्यक्ष वर्ष 2024-25 रोटे शरद गांधी, सहायक मंडलाध्यक्ष वर्ष 2025-26 रोटे. संजय गोठी, पूर्व अध्यक्षगण राजेश सिंघवी, दिनेश रांका, प्रवीण उकवत आदि नॉमिनेशन कमेटी के सदस्य उपस्थित थे । इस मनोनयन पर रोटे. सर्वश्री डॉ.कमलेश कुमावत, कनक पंचोली, प्रकाश सिसोदिया, सुधीर लोढ़ा, पूर्व अध्यक्षगण शांतिलाल भंडारी, नरेंद्र मेहता, प्रहलाद काबरा, धीरेन्द्र त्रिवेदी, कारूलाल सोनी, डॉ एस.एम.जैन, राकेश डोसी, अमरकांत गर्ग, विमल पामेचा, दिनेश जैन (सीए), विक्रम भटनागर, राधेश्याम झवर, बाबूलाल जैन, अशोक जैन, प्रमोद कीमती, अशोक उकावत, शरद गांधी, राजेश सिंघवी, दिनेश रांका, प्रवीण उकावत, सुधीर लोढ़ा, शरद गांधी, संजय गोठी, पवन पोरवाल सहित रोटरी सदस्यों शैलेन्द भंडारी, रोहित संघवी, पवन जैन, प्रदीप श्रीवास्तव, विशाल गोयल, राहुल नाहटा, ठा.सूरज प्रताप तोमर नितिन सोनी, भानुप्रतापसिंह सिसोदिया, डॉ. अजय व्यास, डॉ संजीव मेहता, डॉ पवन मेहता, विवेक जैन, उपेंद्र भूता, नीलेश पारिख, अभय सोमानी, हरीश पारीख, रमेश पारीख, अजय नागौरी, प्रमेंद्र चौरडिया, पवन सेठिया आदि ने नवीन पदाधिकारी को शुभकामनाएं प्रदान की है।

जनसमस्याओं के निराकरण की अभिनव पहल...

कलेक्टर मनासा में कल जनसुनवाई करेंगे

नीमच, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जनसामान्य की समस्याओं, शिकायतों के निराकरण के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के कई आवेदकों का स्थाशनीय स्तर पर संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु जनसुनवाई कार्यक्रम प्रत्येक मंगलवार को जिला मुख्यालय एवं खण्ड स्तर पर आयोजित कर आवेदनों का निराकरण किया जा रहा हैं। इसी क्रम में मंगलवार 18 मार्च 2025 को कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में जनपद पंचायत मनासा में प्रात: 11 बजे से दोपहर एक बजे तक जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा हैं। जिसमें प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण के लिए विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी भी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। मनासा क्षेत्र के ग्रामीणों, नागरिकों से जनपद सभाकक्ष में 18 मार्च 2025 को प्रात: 11 बजे से आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम का लाभ उठाने का आग्रह किया गया हैं।

चित्तौड़गढ़ के मंडफिया थाना क्षेत्र की घटना...

मंदसौर के युवक-युवती पेड़ पर लटके मिले

दर्शन के लिए सांवलियाजी गए थे, होटल में भी रुके थे

चित्तौड़गढ़/मंदसौर, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले के अफजलपुर थाना क्षेत्र निवासी युवक-युवती का शव राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के मंडफिया थाना क्षेत्र के सेगवा गांव में पेड़ पर रस्सी से फंदे से लटके मिले। माना जा रहा है कि प्रेम प्रसंग में दोनों ने आत्महत्या कर ली है। लडक़े की पहचान उसके आधार कार्ड से हुई।

मंडफिया थानाधिकारी गोकुल डांगी ने बताया कि सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को उतरवाया और मंडफिया हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया। पुलिस के मुताबिक भदेसर उपखंड के पोटला ग्राम पंचायत के सेगवा गांव में आवरी माता- सांवलियाजी की मुख्य रोड से 50 मीटर अंदर पेड़ पर दोनों फंदे से लटके थे। वहां से गुजर रहे लोगों की नजर पड़ी तो इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर थानाधिकारी गोकुल डांगी सहित जाब्ता पहुंचा। ग्रामीणों की मदद से दोनों के शव को नीचे उतारा गया। दोनों ने दुपट्टे से फंदा बनाया हुआ था।

थानाधिकारी गोकुल डांगी ने बताया कि युवक की जेब में आधार कार्ड और फोन मिला था। उसकी पहचान कमालपुरा थाना अफजलपुर मंदसौर एमपी निवासी कमलेश पिता परसराम माली के रूप में हुई। जेब से मिले फोन पर परिवार का नंबर मिला। जिससे परिजनों को सूचना दी गई। परिजन ने फोन पर पुलिस को बताया कि कमलेश की शादी नहीं हुई थी। युवती शादी शुदा थी। युवती कमालपुरा मंदसौर निवासी पायल पति दीपक भील है। युवती का मायका पास का गांव रिंगरोद थाना क्षेत्र में है। वो अपने मायके के लिए शनिवार सुबह 10.30 बजे निकली थी। वहां से दोनों ने कॉन्टैक्ट किया होगा और मंडफिया आ गए।

दोनों के परिजन एक दूसरे को नहीं जानते...!

परिजनों ने बताया कि मायके वालों को लगा कि वो ससुराल चली गई और ससुराल वालों को यही पता था कि वो मायके में है। युवक की जेब में एक पर्ची भी मिली, जिसके आधार पर कहा जा रहा है कि दोनों सांवलियाजी के होटल में रुके थे।दोनों के परिजनों ने एक-दूसरे को पहचानने से इनकार कर दिया। हालांकि, पोस्टमॉर्टम के बाद इस बारे में फिर से पूछताछ की गई। थाना अधिकारी ने बताया कि युवक कमलेश के घर वालों ने जब सोशल मीडिया पर युवक- युवती के फांसी वाले फोटो शेयर किया तो उन्हें देखकर युवती के परिजनों ने संपर्क किया। थानाधिकारी गोकुल डांगी ने बताया कि कमलेश की जेब से कृष्णा होटल की एक पर्ची निकली जिसमें 500 रुपए एडवांस देने की बात सामने आई है। मामले में पुलिस जांच कर रही है।

युवक काम पर जाने की तो महिला ससुराल जाने की कहकर निकली थी...

मामले में परिजनो की मुताबिक युवक अपने घर से काम पर मंदसौर जाने की बोलकर गया था। जबकि, महिला अपने पीहर से ससुराल जाने की बोलकर निकली थी। दोनो मंदसौर में कहीं मिले होंगे और सांवरिया सेठ के दर्शनो को निकल गए होंगे। जहां विचार विमर्श के बाद जब कोई रास्ता नहीं दिखा होगा तो उन्होंने आत्महत्या का विचार किया होगा? हालांकि, पुख्ता जानकारी अभी नहीं मिली है और शायद पता भी नहीं चल सके।

पुष्पांजली/श्रद्धांजली

स्व.श्री शीतल सिह तोमर के सपुत्र व स्व. श्री गोरेलाल सिह तोमर, नरेन्द्र सिह तोमर, नरेश सिह, रविन्द्र सिह तोमर के भाई जितेन्द्र सिंह तोमर,डां. गिर्राज सिह तोमर, धर्मवीर सिह तोमर के पिता जी स्व. श्री रनसिह तोमर व एकांश सिह तोमर के दादा व धर्मेंद्र सिंह राजावत के ससुर राजकुमार सिह,राजेश सिह , शिवराज सिंह, धर्मेंद्र सिंह, लक्ष्मण सिह,पूरण सिह,कैदार सिह, जसमंत सिह ,अरविन्द सिह , औमकार सिह तोमर,राहुल सिह तोमर, गोविंद सिह तोमर के चाचा व ताऊ स्व .श्री रनसिह तोमर पिता शीतल सिंह तोमर का स्वर्गवास दिनांक 15 मार्च 2025 देवलोक गमन हो गया है । उनका पुष्पांजली/श्रद्धांजली दिनांक 17/03/2025 सोमवार प्रात: 11 बजे बालाजी मंदिर प्रांगण किटियानी कालोनी (निजीस्थान के सामने) पर होगी।

नोट- शोक बैठक प्रतिदिन निज स्थान एल-आईआई/299 किटियानी कालोनी मंदसौर

***** शोकाकुल *****

तोमर परिवार मंदसौर, गांव हाथी का पुरा मुरैना, ग्वालियर

मोबाइल नंबर-7000422963, 7747919955,8660790661

संयुक्त उठावना व पुष्पांजलि

स्व. सेठ श्री नेणुमलजी जी की पुत्रवधू एवं स्व. सेठ श्री हरुमलजी की धर्मपत्नी एवं उद्धवदास, श्यामलाल, भगवानदास की पूज्य भाभीजी एवं प्रीतम, हरीश, महेश, चंद्रप्रकाश की बड़ी मम्मी एवं रोहित, हितेश, करण, संदीप, नीलेश, पीयूष, वैभव की दादीजी एवम राजू की पूज्यनीय माताजी श्रीमती राधा देवी का दु:खद निधन 15 मार्च 2025 शनिवार को हो गया है। जिनका संयुक्त उठावना व पुष्पांजलि कार्यक्रम आज दिनांक 17 मार्च 2025 सोमवार को सायं 5 बजे सिंधु महल, वीर सावरकर सेतु मार्ग, पुराना लक्कड़पीठा, धानमंडी मंदसौर पर रखा गया है।

***** शोकाकुल *****

खेमानी परिवार

* उठावना *

मेरे बड़े भाई एवं अनिल, सुनील, स्व. दिलीप, महेश के पिताजी, दीपक के बड़े पापा एवं विशाल, हिमांशु, अभिषेक, केशव के दादाजी श्री हीरालाल शर्मा (बाबू सेठ) का निधन 15 मार्च हो गया है। उठावना 17 मार्च को प्रात: 11.30 बजे निज निवास शारदा विद्या मंदिर के पास प्रताप कॉलोनी पिपलिया मंडी पर रखा गया है।

***** शोकाकुल *****

मनोहर लाल शर्मा (पाटनेचा) एवं समस्त पाटनेचा परिवार पिपलिया मंडी

मंडी में गेहूं की आवक बढ़ी, दाम घटे

समर्थन मूल्य को मिल रहा समर्थन, आगामी दिनों में कीमत बढ़ने की संभावना

मंदसौर, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। रबी सीजन की फसल कटाई का दौर जिले में अब शुरू हो गया है। फसल कटने के साथ मंडी में गेहूं की आवक भी बढ़ी। गेहूं का रकबा जिले में इस बार अधिक है तो उत्पादन भी बंपर हो रहा है। शनिवार को मंडी में 09 हजार 836 से अधिक बोरी की आवक हुई। लेकिन दाम 2280 से 2750 रूपए प्रति क्विंटल के रहे। लगातार मंडी में गेहूं के दामों में गिरावट दर्ज की जा रही है। समर्थन मूल्य व मंडी में गेहूं के दाम बराबर हो गए है। समर्थन से भी कम दाम में मंडी में गेहूं के मिल रहे है। इसी कारण गेहूं की सरकारी खरीदी की ओर किसानों की रुचि अचानक से बढ़ गई है। समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी के लिए एक सप्ताह में 20 हजार से अधिक किसानों ने पंजीयन कराया है। एक सप्ताह पहले तक 10 हजार किसानों ने पंजीयन कराया था। पंजीयन का दौर अभी 31 मार्च तक जारी रहेगा। इधर व्यापार पर नजर रखने वालो का कहना है कि आगामी कुछ माह में दाम बढ़ने की संभावना है।

रबी सीजन में बंपर उत्पादन के बाद अब गेहूं के दामों में तेजी से गिरावट दर्ज की जा रही है। अब तक जिले के अन्नदाता सरकारी गेहूं खरीदी में रुचि नहीं दिखा रहे थे। लेकिन, अचानक से सरकारी खरीदी की ओर उनका रुझान बढ़ा। इसके पीछे कारण भी बताया जा रहा है कि समर्थन मूल्य पर मंडी से अधिक दाम मिल रहे है। शनिवार को भी मंडी में गेहूं के दामों में गिरावट देखी गई। इस बीच पिछले एक सप्ताह से गेहूं के लिए पंजीयन में किसानों की रफ्तार बढ़ी तो शनिवार को गेहूं उपार्जन के पहले दिन केंद्रों पर किसान गेहूं लेकर पहुंचे। सरकारी महकमें ने किसानों का सम्मान कर गेहूं का तोल कराया। पिछले कुछ सालों से मंडी व खुले बाजार में अधिक दाम मिलने के कारण किसान सरकारी खरीदी में रुचि नहीं दिखा रहे थे। इस बार भी पंजीयन में अब तक रुचि नहीं दिखाई है। लेकिन, पिछले पांच सालों में इस बार गेहूं के दामों में अधिक गिरावट व समर्थन के दाम बोनस सहित 2600 तक पहुंचने के कारण किसानों का मन पलटा और रबी फसल कटाई का दौर शुरू होते ही सरकारी खरीदी में किसानों की रुचि बढ़ गई।

शनिवार से शुरु हुआ गेहूं उपार्जन का दौर-इधर शनिवार से गेहूं उपार्जन का दौर शुरू हुआ। जिले में विभाग ने 64 खरीदी केंद्र बनाए। इसमें से अधिकांश केंद्रों पर पंजीयन के अनुसार किसान गेहूं लेकर पहुंचे और अपना गेहूं सरकारी खरीदी में बेचा। तौल के दौरान किसानों का सम्मान किया गया। ऐसे में माना जा रहा है कि मंडी में दाम कम होने व समर्थन मूल्य बोनस सहित अधिक होने के साथ ही इस बार गेहूं का उत्पादन अधिक होने के कारण सरकारी खरीदी में किसान अधिक गेहूं बेचने के लिए पहुंचेगे। रबी वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर चना, मसूर, सरसों के उपार्जन के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 10 मार्च तक थी। इसे बढ़ाकर 17 मार्च कर दिया गया है। वहीं चना, मसूर व सरसों की खरीदी 25 मार्च से शुरू होगी।

भाजयुमो मंडल अध्यक्ष ने बीएमओ से की धक्का-मुक्की

वीडियो वायरल, दोनों पक्षों ने की पुलिस को शिकायत

मंदसौर, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शामगढ़ के सरकारी अस्पताल में भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष वैभव मालवीय और ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. मनीष दानगढ़ के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। घटना शनिवार रात की है, जिसका वीडियो रविवार को सामने आया है। घटना को लेकर एमपी कांग्रेस ने एक्स पर ट्वीट कर सरकार को घेरा। ट्वीट में कहा गया है कि मानो जैसे भाजपा की सदस्यता गुंडागर्दी का लाईसेंस हो।

बीएमओ डॉ. मनीष दानगढ़ ने बताया कि शनिवार को वे अपने सहयोगी डॉक्टरों के साथ अस्पताल के इमरजेंसी रूम में बैठे थे। इसी दौरान भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष वैभव मालवीय मोबाइल फोन चार्जिंग के लिए वहां आए। उन्होंने स्टाफ से अभद्र व्यवहार करते हुए मोबाइल चार्जिंग करने की मांग की। जब उन्होंने भाजपा नेता को स्टाफ से सभ्य व्यवहार करने की सलाह दी, तो वह आक्रोशित हो गए। इसके बाद दोनों के बीच तीखी बहस हुई, जो धक्का-मुक्की तक पहुंच गई। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

घटना के बाद रविवार सुबह बीएमओ ने शामगढ़ पुलिस थाने में शिकायती आवेदन दिया है। मामले में बीजेपी जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कहा की वे सुबह से ही कार्यक्रमों में व्यस्त है, उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। अगर कहीं गलत हुआ है तो वे जांच के बाद जरूर अनुशासात्मक कार्रवाई करेंगे। शामगढ़ टीआई धर्मेंद्र शिवहरे ने बताया कि शनिवार-रविवार की दरमियानी रात का मामला है। बीएमओ मनीष दानगढ़ और वैभव मालवीय दोनों ने शिकायती आवेदन दिया है, जिसकी जांच कर रहे है।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/410/खनिज/2025 मंदसौर, दिनांक-13.03.2025

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// द्वितीय सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक विकास माईनिंग कार्पोरेशन, महू नीमच रोड़ दलौदा चौपाटी, जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 27.01.2025 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना 189/खनिज/2025 मंदसौर दिनांक 31.01.2025 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः 02.04.2025 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	मंदसौर	अरनिया गुर्जर	23	4.000 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर एम. सेण्ड एवं मुरम (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 02.04.2025 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

G-24426/24 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल।

अब जिला योजना समिति के स्थान पर जिला विकास समितियां खींचेंगी विकास का खाका

मंदसौर, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में विकास कार्यों को और अधिक प्रभावी और विकेंद्रीकृत बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने जिला योजना समितियों की जगह जिला विकास सलाहकार समितियों के गठन का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन सरकार की अध्यक्षता में गठित होने वाली इन समितियों का मुख्य उद्देश्य जिले के विकास का रोडमैप तैयार करना और स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने की प्रक्रिया को सशक्त बनाना है।

नेमीचंद राठौर

मुख्यमंत्री होंगे अध्यक्ष, प्रभारी मंत्री होंगे उपाध्यक्ष -हर जिले में बनने वाली जिला विकास सलाहकार समिति के अध्यक्ष स्वयं मुख्यमंत्री होंगे, जबकि जिले के प्रभारी मंत्री उपाध्यक्ष की भूमिका निभाएंगे। इसके अतिरिक्त समाज के विभिन्न अंगों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों को भी समिति में शामिल किया जाएगा। कुल मिलाकर समिति में 10 से 20 सदस्यों का मनोनयन किया जाएगा, जो जिले के विकास कार्यों में सक्रिय योगदान देंगे।

विकास के विकेंद्रीकरण पर जोर-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन सरकार ने यह पहल विकास प्रक्रिया में जनता की भागीदारी बढ़ाने और निर्णय लेने में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए की जा रही है। जिला विकास सलाहकार समितियां स्थानीय आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए विकास योजनाओं का रोडमैप तैयार करेंगी। इन समितियों को ऐसे विकास कार्यों पर अंतिम निर्णय लेने का अधिकार होगा, जो जिला स्तर पर ही निपटाए जा सकते हैं।

हर तीन महीने में होगी बैठक-समिति की नियमितता बनाए रखने के लिए हर तीन महीने में बैठक आयोजित की जाएगी। इन बैठकों में जिले में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा की जाएगी और उनकी प्रगति का मूल्यांकन किया जाएगा। बैठक में आने वाले मुद्दों पर विचार-विमर्श कर त्वरित निर्णय लेने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

जिले के विकास कार्यों में तेजी की उम्मीद-विशेषज्ञों का मानना है कि इस नई पहल से जिले के विकास कार्यों में तेजी आएगी और आम जनता की समस्याओं का समाधान भी अधिक कुशलता से हो सकेगा। स्थानीय प्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी से योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी होगा।

नए युग की शुरुआत-प्रदेश सरकार के इस निर्णय को विकास प्रक्रिया के विकेंद्रीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। जिला विकास सलाहकार समितियां न केवल योजनाओं का निर्माण करेंगी, बल्कि उनके सही क्रियान्वयन और मूल्यांकन की भी जिम्मेदारी निभाएंगी। इससे न केवल प्रशासनिक ढांचे में सुधार होगा, बल्कि जनता को भी अपनी समस्याओं के त्वरित समाधान का अवसर मिलेगा।

एमपी बोर्ड की कापियां जांचने का काम जारी

* 100 से अधिक शिक्षक कर रहे प्रतिदिन मूल्यांकन, * 10वीं-12वीं की उत्तर पुस्तिका का औसत मूल्यांकन करने पर होगी कार्रवाई

मंदसौर, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। इन दिनो जिला मुख्यालय पर एमपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की कॉपियां जांचने का काम जारी है। इसके लिए 109 शिक्षक मूल्यांकन कार्य में जुटे हुए है। मूल्याकंन कार्य अप्रेल के पहले सप्ताह तक पूरा करना है। इसके लिए जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित भी कर दिया गया है। अब तीन स्तरों पर मूल्यांकन होगा। इसमें मुख्य परीक्षक, उप मुख्य परीक्षक और परीक्षक शामिल हैं। इस संबंध में भी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अगर किसी विद्यार्थी ने एक ही प्रश्न के उत्तर को कई बार लिखा है, तो परीक्षक अपने विवेक से एक ही उत्तर का मूल्यांकन करेंगे और एक ही उत्तर के अंक गणना में लिए जाएंगे। साथ ही परीक्षक के उत्तरपुस्तिका जांचने के बाद उप मुख्य परीक्षक पुन: परीक्षण करेंगे कि कहीं कोई त्रुटि तो नहीं है।

अब तक 3 हजार उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्याकंन कार्य पूरा हो चुका है। मूल्याकंन कार्य का समय सुबह 10 बजे से लेकर शाम 05 बजे तक चल रहा है। इसमें 109 शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी से लेकर अन्य अधिकारी समय-समय पर निरीक्षण भी कर रहे है। कक्षा दसवी और बारहवी की 35 हजार उत्तरपुस्तिकाएं मूल्याकंन के लिए मिली है। जिनमें से 3 हजार उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्याकंन कार्य पूरा कर लिया गया है। प्रत्येक शिक्षक को प्रतिदिन 30 उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्याकंन कार्य करना है। तैनात किए गए शिक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया गया है। मूल्याकंन का कार्य 13 मार्च से शुरु हुआ है।

अगर मूल्यांकनकर्ता द्वारा औसत मूल्यांकन किया गया होगा, तो उस पर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की जाएगी। साथ ही परीक्षक द्वारा ऑनलाइन भरे गए अंकों की जांच भी की जाएगी। अगर अंक भरने में गलती मिलेगी तो परीक्षक और उप मुख्य परीक्षक दोनों पर कार्रवाई होगी।

मूल्यांकन के बाद अंक ऑनलाइन प्रविष्ट किए जाएंगे

निर्देशित किया गया है कि एक शिक्षक को एक दिन में न्यूनतम 30 और अधिकतम 45 उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा। साथ ही उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के बाद ऑनलाइन अंक प्रविष्टि की जाएगी। संबंधित शिक्षक द्वारा अंकों की प्रविष्टि करने के बाद इच्छुक होने पर 15 उत्तरपुस्तिकाएं और प्रदान की जा सकती हैं। बिना बारकोड लगे उत्तरपुस्तिकाओं को मंडल कार्यालय भेजना होगा।

प्रत्येक बंडल में केंद्राध्यक्ष द्वारा भेजी गई उत्तरपुस्तिकाओं के साथ प्रमाणीकरण या पंचनामा का प्रारूप शामिल करना होगा। शिक्षकों को उत्तरपुस्तिकाएं वितरित करने से पहले उप मुख्य परीक्षकों को भौतिक सत्यापन करना अनिवार्य है। उत्तरपुस्तिकाओं की संख्या कम-ज्यादा होने पर मंडल मुख्यालय को जानकारी देनी होगी।

राजगढ़ अंचल में स्थापित होंगे 500 करोड़ की लागत से नए उद्योग-मुख्यमंत्री

275 किमी लंबी रामगंज मंडी-भोपाल रेल लाइन से बढ़ेगी मध्यप्रदेश-राजस्थान की कनेक्टिविटी, मुख्यमंत्री ने 40.62 करोड़ रूपये के शौर्य स्मारक और जिला चिकित्सालय के नवनिर्मित भवन का किया लोकार्पण, राजगढ़ में 12.83 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

नीमच, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राजगढ़ में लगभग 500 करोड़ के निवेश से विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि हाल ही में राजधानी भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रदेश में 30 लाख करोड़ रूपये के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इससे प्रदेश का प्रत्येक अंचल लाभान्वित होगा। स्कूलों में शिक्षकों के पदों सहित पुलिसकर्मियों के रिक्त पदों की पूर्ति की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजगढ़ जिला अस्पताल के बाद शीघ्र मेडिकल कॉलेज की सौगात भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि पौने तीन सौ किलोमीटर लंबी रामगंज मंडी से भोपाल तक की रेल लाइन की सौगात इस क्षेत्र को मिल रही है। विकास का कारवां निरंतर चलता रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में स्वामित्व योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, खाद्य प्र-संस्कृत इकाई योजना सहित विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ प्रदान किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को राजगढ़ में शौर्य स्मारक जिला अस्पताल के लोकार्पण और रैन बसेरा भवन, नए विद्यालय भवन और विधि महाविद्यालय के भूमि-पूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाड़ली लक्ष्मी, लाड़ली बहना योजना, उज्ज्वला रसोई गैस योजना, नि:शुल्क अन्न वितरण सहित अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रत्येक क्षेत्र में विकास का यज्ञ चल रहा है। उन्होंने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में हेलीपेड प्रारंभ किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य और केन्द्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन से किसानों के जीवन में समृद्धि आएगी। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे अपनी जमीन न बेचें। पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो सिंचाई परियोजना से इस अंचल का बड़ा इलाका लाभान्वित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नदी जोड़ों परियोजना से राजगढ़ क्षेत्र का भूगोल और भाग्य दोनों बदलेंगे। दो दशक पहले यहां सूखे की गंभीर समस्या थी। गत दो दशक से विकास की गति बढ़ी है। आने वाले समय में इस क्षेत्र का तीव्र विकास होगा। पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना से राजगढ़, नरसिंहगढ़, ब्यावरा, सारंगपुर, खिलचीपुर को लाभ मिलेगा। फोरलेन सड़कों के निर्माण, मोहनपुरा-कुंडालिया परियोजना और नए औद्योगिक निवेश से पूरा क्षेत्र बदल जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के लिए प्रति वर्ष सौर ऊर्जा से संचालित 10 लाख विद्युत पम्प स्थापित किए जाएंगे। तीन वर्ष में 30 लाख सोलर पम्प लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में स्व-रोजगार से स्वावलंबन के जरिए महिलाओं की जीवन-स्थिति में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास भी किया जा रहा है। महिला श्रम पर आधारित उद्योगों, विशेष रूप से रेडीमेड गारमेंट इंडस्ट्री में प्रति महिला श्रमिक 5 हजार रूपए के मान से प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजगढ़ में जन श्रद्धा की प्रतीक माँ जालपा देवी और भैंसवा माता की जय-जयकार से संबोधन प्रारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजगढ़ जिले के नागरिक परिश्रमी हैं। इस अंचल की दाल-बाटी और दाल-बाफले का स्वाद भी निराला है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम एवं राजगढ़ जिला प्रभारी मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास एवं रोजगार विभाग श्री गौतम टेटवाल, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास श्री नारायण सिंह पंवार, सांसद श्री रोडमल नागर स्थानीय विधायक ने अपने संबोधन में जिले को दी गई सौगातों के लिये मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री चन्दर सिंह सौंधिया, विधायक राजगढ़ श्री अमर सिंह यादव, विधायक खिलचीपुर श्री हजारीलाल दांगी, विधायक नरसिंहगढ़ श्री मोहन शर्मा, दिशा के सदस्य श्री ज्ञानसिंह गुर्जर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

कन्या विवाह योजना में शामिल होने मुख्यमंत्री आयेंगे झाबुआ

1000 से अधिक जोड़ों का सामूहिक विवाह समारोह 27 को

नीमच/झाबुआ, 16 मार्च गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. शासन द्वारा जरूरतमंद निराश्रित/निर्धन परिवारों की कन्या/विधवा/परित्यक्ता महिलाओं को विवाह हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करने हेतु मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना संचालित की गई है।

कैबिनेट मंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग सुश्री निर्मला भूरिया ने बताया कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में सम्मिलित होने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को आमंत्रित किया गया हैं। जिसके लिए प्रथमदृष्ट्या उनकी स्वीकृति प्राप्त हो गई हैं।उन्होंने बताया कि 27 मार्च 2025 को गोपालपुरा हवाईपट्टी पर 1000 से अधिक जोड़ों का सामूहिक विवाह किया जाना प्रस्तावित है जिसमें मुख्यमंत्री स्वयं सम्मिलित होकर विवाहित जोड़ों को सुखद वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद देंगे। कैबिनेट मंत्री ने जल्द ही कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा तैयार कर कार्यक्रम आयोजित किये जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया हैं।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग-मंदसौर

Email ID-eeresmandsaur@mp.gov.in

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-16/2024-25

जावक क्रमांक/352/ग्रा.यां.से./वलेलि/निविदा/2024-25 मंदसौर, दिनांक-07.03.2025

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से निम्नांकित विद्युतीकरण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

स.क्रं.	ऑनलाईन टेण्डर नं.	कार्य का नाम	निर्माण कार्यो की अनुमानित (राशि रुपए में)	निविदा आमंत्रण
1	2025_RES_407940	शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल कुचड़ोद में अटल टिकरिंग लेब हेतु अतिरिक्त कक्ष ज.पं. मंदसौर एवं शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल मोतीपुरा में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य जपं सीतामऊ का विद्युतीकरण कार्य।	275822	प्रथम आमंत्रण
2	2025_RES_407941	शासकीय हाई स्कूल बघुनिया में अतिरिक्त कक्ष निर्माण ज.पं. गरोठ एवं शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल हतुनिया में अटल टिकरिंग लेब हेतु अतिरिक्त कक्ष निर्माण ज.पं. गरोठ का विद्युतीकरण कार्य।	275822	प्रथम आमंत्रण

उपरोक्त निविदा के निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन भुगतान कर क्रय किये जा सकेंगे। निविदा प्रपत्र पोर्टल पर दिनांक 17.03.2025 से देखे जा सकेंगे। विस्तृत सूचना Key Dates तथा अन्य जानकारी वेबसाईड पर देखी जा सकती है। निविदा संबंधी समस्त संशोधन समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किये जावेंगे। केवल वेबसाईट पर देखे जा सकेंगे।

कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग मंदसौर

G-24420/24 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356

समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in